स्किल डिमांड और सप्लाय के गैप को कम करेगी सीखो-कमाओ योजनाः चौहान

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में आरंभ की गई मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना स्किल डिमांड और स्किल सप्लाय के बीच के गैप को मिटाकर भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस योजना से उद्योगों, सर्विस सेक्टर और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जरूरत के अनुसार युवाओं को काम सीखने का मौका मिलेगा और व्यावसायिक संस्थानों को काम के लिए रेडी वर्कफोर्स उपलब्ध होगा। यह योजना युवाओं और व्यावसायिक संस्थानों दोनों के लिए ही समान रूप से उपयोगी और लाभकारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान नई दिल्ली में आयोजित फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज) की कार्यशाला को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। नई दिल्ली में हुई कार्यशाला में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, फिक्की के सेक्रेटरी जनरल शैलेष पाठक सहित विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं और उद्योग समूहों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

श्री चौहान ने कहा कि युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देना, उनके साथ न्याय नहीं है। प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता है, हम उनका उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार कौशल उन्नयन कर युवाओं को प्रदेश के विकास में सहभागी बनाना चाहते हैं। कौशल सीखने के दौरान युवाओं को आर्थिक अभाव न रहे, इस उद्देश्य से स्टायपेंड की व्यवस्था भी की गई है। यह युवाओं को पंख देने की योजना है ताकि वे अपने सपने पूरे करने के लिए ऊँची उड़ान भरने में सक्षम और आत्मनिर्भर बनें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फिक्की के प्रतिनिधियों को योजना की जानकारी देते हुए इससे जुड़ने की अपील की।

प्रदेश में बाहर के उद्योग भी वैकेंसी क्रिएट करने के लिए पात्र

श्री चौहान ने कहा कि इस योजना में प्रदेश के बाहर के उद्योग भी वैकेंसी क्रिएट करने लिए पात्र हैं। प्रदेश के युवा कर्मठ, दक्ष और ऊर्जा से भरपूर हैं। उन्होंने उद्यमियों से अपने संस्थानों में प्रदेश के युवाओं को इंटर्न के रूप में प्रवेश देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये युवा अपनी कार्यकुशलता और कर्मठता के आधार पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान से फिक्की के सदस्यों ने प्रदेश में व्यापार और उद्योग के लिए बेहतर हो रहे वातावरण और संभावित निवेश के संबंध में चर्चा की।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना अभिनव पहल

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना मध्यप्रदेश के युवाओं को उद्योग जगत की मदद से कुशल बनाने और भावी श्रमबल का निर्माण करने का प्रयास है। श्रीमती सिंधिया आज नई दिल्ली में फिक्की और मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान से मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना पर फिक्की हाउस में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि राज्य में पर्याप्त कौशल पूल और बुनियादी ढाँचा मौजूद है। सिंगापुर के सहयोग से भोपाल में 34 एकड़ में ग्लोबल स्किल पार्क सितम्बर माह तक तैयार हो जायेगा, जिसमें 6000 युवाओं को मैकाट्रोनिक्स, ऑटोमेटिव टेक्नोलॉजी, प्रिसाइजन इंजीनियरिंग, ए.सी. रेफ्रिजरेशन, नेटवर्क सिस्टम जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जायेगा। श्रीमती सिंधिया ने पार्क में 92 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्रफल में फैले एकेडमिक बिल्डिंग और सेन्टर आफ एक्सीलेंस से सहभागिता करने के लिए फिक्की के सदस्यों और उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मनु श्रीवास्तव ने योजना की पृष्ठभूमि और प्रतिष्ठानों को मिलने वाले लाभ के संबंध में प्रकाश डाला। प्रश्नोत्तर सत्र में एशियन पेन्ट्स, नेस्कॉम, नीवा बूपा हेल्थ इन्श्योरेंस, ब्लॉसम कोचर ग्रुप, शाही एक्सपोर्ट, यूनीसेफ, सिम्पलीलर्न, जेबीएम ग्रुप, टीसीएस इन्टरेक्टिव और टीसीएस, हमलोगजोब्स, पेस्टो-डाइडेक्टिट, श्नाइडर और हैट्रिक के प्रतिनिधियों ने योजना के संदर्भ में अपने प्रस्ताव और सुझाव साझा किये।

तीसरे चरण में 24 जिलों के 111 अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

भोपाल (काप्र)।

मप्र विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के अंतर्गत उप जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में 24 जिलों के 111 अधिकारियों के तीसरे चरण के प्रशिक्षण का आज समापन हुआ।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि निर्वाचन कार्य को सभी प्राथमिकता से लें। आयोग के निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। मतदाता सूची में 18 से 19 वर्ष के युवाओं के नाम अधिक से अधिक जोड़ने के लिए स्कूल, महाविद्यालयों में अभियान चलाने, मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए महिला मतदाताओं को जागरूक करने, जहां पर महिला मतदाताओं की संख्या कम है वहाँ उनके का नाम जोड़ने के लिए आँगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता, स्कूलों-महाविद्यालय की छात्राओं की मदद लेने, नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए आए आवेदनों का तुरंत निराकरण, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं की जाँच, नाम काटने से पहले संबंधित मतदाता को नोटिस जारी, पंचनामा बनाने के बाद ही कार्रवाई और मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राकेश सिंह, भारत निर्वाचन आयोग के मास्टर ट्रेनर्स मुंशी शर्मा, राहुल चौहान, पंकज सेतिया और वीरेंद्र चौहान उपस्थित रहे।

सोलह चिकित्सकों को पदोन्नति के बाद मिली नई पदस्थापना

14 जिलों को मिले स्थायी सीएमएचओ, भोपाल, इंदौर यथावत

भोपाल(काप्र)।

स्वास्थ्य विभाग ने सीनियारटी कम मेरिट के आधार पर 16 डॉक्टरों को प्रमोट किया है। प्रमोशन के बाद करीब 11 डॉक्टरों को दूसरे जिलों में हायर पोस्ट पर नई पोस्टिंग मिली है।

14 जिलों के सीएमएचओ बदले गए हैं। इंदौर और भोपाल के सीएमएचओ को प्रमोशन के बाद यथावत रखा गया है। लंबे समय बाद जिलों में स्थायी सीएमएचओ की पदस्थापना हुई है। भोपाल में बतौर प्रभारी सीएमएचओ सेवाएं दे रहे डॉ. प्रभाकर तिवारी को प्रमोशन के बाद भोपाल में ही बतौर सीएमएचओ यथावत रखा गया है। वहीं इंदौर के प्रभारी सीएमएचओ डॉ. बीएस सैत्या भी अब प्रमोशन के बाद इंदौर में पोस्टेड रहेंगे। इंदौर के सीएमएचओ ऑफिस में पदस्थ डॉ. पूर्णिमा गाडरिया को वरिष्ठ संयुक्त कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं इंदौर में पदस्थ किया गया है। बागली जिला देवास की सीबीएमओ डॉ. विष्णुलता उइके अब देवास जिले की ही सीएमएचओ बनाई गई हैं। निसरपुर जिला धार के सीबीएमओ डॉ. नरसिंह गहलौत अब धार जिले के सीएमएचओ बनाए गए हैं।

राजगढ़ की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने 195 करोड़ स्वीकृत

राजगढ़ जिले की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं विद्युत हानियों को कम करने के लिए 195 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। इसमें से केन्द्र सरकार द्वारा रिवेंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के प्रथम चरण में 162 करोड़ रूपये और राज्य सरकार द्वारा 33 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। इससे राजगढ़ जिले की लगभग 15 लाख की जनसंख्या लाभान्वित होगी। साथ ही आगामी 10 वर्षों की विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति हो सकेगी।

युवीन पोर्टल से होगा 7 अगस्त से नियमित टीकाकरणः डॉ. चौधरी

भोपाल (काप्र)।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि प्रदेश में 7 अगस्त से नियमित टीकाकरण युवीन पोर्टल से संचालित होगा।

कोविन पोर्टल से हुए कोविड टीकाकरण की तरह ही युवीन पोर्टल से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम संचालित होगा। डॉ. चौधरी राज्य स्तरीय मीजल्स रूबेला निर्मूलन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश में टीकाकरण साल-दर-साल प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मीजल्स रूबेला टीकाकरण अभियान में 2 करोड़ 32 लाख का रिकॉर्ड टीकाकरण किया गया। टीकाकरण में मैदानी अमले के टीकाकर्मी आशा और आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्य सराहनीय है। डॉ. चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। इन्द्रधनुष आपरेशनल गाइड-लाइन का विमोचन किया और सम्पूर्ण टीकाकरण करवाने का संकल्प भी दिलाया। एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, एनएचएम डायरेक्टर (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला, नेशनल प्रोग्राम अधिकारी डब्ल्यूएचओ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भेल के रिटायर्ड अधिकारी से नौकरी के नाम पर डेढ़ करोड़ की आनलाइन ठगी

भोपाल (काप्र)।

भोपाल के अयोध्या नगर थाना इलाके में रहने वाले भेल के रिटायर्ड अफसर को सायबर ठगोरो ने अपना शिकार बनाते हुए उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी लगवाने का झांसा देकर डेढ़ करोड़ रुपये की रकम आनलाइन ठग ली।

फरियादी ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी कि शिकायत पश्चिम बंगाल के कोलकाता में की थी। वहाँ पुलिस ने जीरो पर कायमी कर केस डायरी भोपाल पुलिस को भेजी जिसके आधार पर अयोध्या नगर पुलिस ने उन तीन आरोपियों के खिलाफ असल कायमी की है, जो फरियादी को अलग-अलग नंबरों से बार-बार फोन करते थे। थाना पुलिस के अनुसार मूल रुप से कोलकाता, पश्चिम बंगाल के रहने वाले 65 वर्षीय अभिजीत सिन्हा ने अपनी शिकायत में बताया था कि वो भेल से रिटायर्ड हैं, और मीनाल रेजीडेंसी में रहते हैं। रिटायरमेंट के बाद भी अच्छी नौकरी की तलाश में उन्होनें अलग-अलग वेबसाइट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया था। 29 अक्टूबर 2022 को वो अपने मीनाल रेजीडेंसी वाले मकान पर थे, तब उनके पास अनजान नंबर से फोन आया। दूसरी और से बात करेन वाले व्यक्ति ने उनसे नौकरी से संबंधित बातचीत करते हुए बताया कि काफी के कारोबार से जुड़ी एक मल्टीनेशनल कंपनी का उन जैसै ही व्यक्ति की आवश्यक्ता है, यदि वो चाहे तो यह नौकरी हासिल कर मोटी सैलरी पा सकते है। फरियादी ठग के झांसे में आकर तैयार हो गये। इसके बाद जालसाज ने उनसे तमाम कई तरह के प्रोसेस के नाम पर रकम की मांग की। ठग के झांसे मे आये अभिजीत सिन्हा ने कई किस्तों में उसे जून 2022 तक लगभग डेढ़ करोड़ की रकम दे दी। फदियादी ने बताया कि आरोपी को काफी रकम उन्होनें भोपाल में रहने के दौरान दी और बाकी रकम पश्चिम बंगाल से भी दी है। पैसा देने के बाद भी जब उन्हें नौकरी नहीं मिली तब उन्होंने आरोपी से रकम वापस करने को कहा। इस पर जालसाज ने उनकी रकम नौकरी ज्वाइन के समय देने का भरोसा दिया और कुछ दिनो बाद मोबाइल बंद कर उनसे संपर्क करना ही बंद कर दिया। पुलिस बैंक डिटेल और फोन नंबर के आधार पर ठगो की सुरागरसी में जुट गई है। फरियादी ने आरोपियो के नाम अरुण गुप्ता, रोहन और के श्रीवासन बताए हैं, पुलिस को आशंका है कि जालसाजो के नाम फर्जी हो सकते हैं।

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

भोपाल (काप्र)।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय के सामने स्थित डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं संगठन महामंत्री हितानंद सहित पार्टी पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज हम महान देशभक्त, राष्ट्रवादी चिंतक, मौलिक विचारक डॉ. मुखर्जी की जयंती मना रहे हैं। डॉ. मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना करके जयघोष किया था कि देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे, आज उनके बताए मार्ग पर भाजपा काम कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली भारत का निर्माण कर रहे हैं। हमारी राज्य सरकार भी उनके विचारों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे महान व्यक्तित्व, महापुरूष डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी के श्रीचरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आज डॉ. मुखर्जी की जयंती पर देशभर के भाजपा कार्यकर्ता उनके श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर रहे हैं। डॉ. मुखर्जी ने संपूर्ण देश को एक सूत्र में बांधने का जो संकल्प दिया था उस संकल्प को मध्य प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ता आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता माखन सिंह चौहान, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता सुश्री नेहा बग्गा, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, रामदयाल प्रजापति, हिरेन्द्र बहादुर सिंह, जगदीश यादव, राजेन्द्र गुप्ता, एसएस उप्पल, शाहवर आलम, प्रयागराज रघुवंशी, श्रीमती भावना सिंह एवं श्रीमती नंदा दुबे सहित प्रदेश पदाधिकारी और जिला पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आरकेएमपी से द्वारका-शिर्डी के लिए चलेगी ट्रेन

भोपाल(काप्र)।

मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए सावन में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन कर रहा है, जो 18 जुलाई से जबलपुर से 7 ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका, शिर्डी एवं स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश के जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, शुजालपुर, उज्जैन, देवास, इंदौर एवं रतलाम स्टेशनों से होते हुए जाएगी। जहां से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिन की इस यात्रा में द्वारका, सोमनाथ, नासिक, शिर्डी, औरंगाबाद, परली, परभणी, पुणे एवं केवड़िया के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को 19 हजार 300 रुपए प्रति व्यक्ति (इकॉनामी श्रेणी) एवं 31 हजार 500 रुपए प्रति व्यक्ति (स्टैंडर्ड श्रेणी) का खर्च उठाना होगा। भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल हैं।

कांग्रेस के 4 नए जिलाध्यक्ष नियुक्त मोनू को भोपाल की कमान

प्रदेश कांग्रेस ने चार जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। भोपाल में मोनू सक्सेना को शहर जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, खंडवा ग्रामीण में अजय ओझा और खंडवा का शहर जिलाध्यक्ष मनीष मिश्रा को बनाया गया है। इंदौर का जिला अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा को बनाया गया है। साथ ही चार महासचिवों की नियुक्तियां भी हुई है। भोपाल के निवर्तमान शहर कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा को मप्र कांग्रेस कमेटी का महासचिव बनाया गया। मनोज भारतकर अरविंद बागड़ी और विशाल अग्निहोत्री को भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है।

अब 45 घंटे पहले चेंज करवा सकते हैं तारीख

भोपाल (काप्र)। रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, अगर आपके पास रेल का कंफर्म टिकट है और आप किसी कारणवश अपनी यात्रा को आगे पीछे करना चाहते हैं तो कर सकते हैं, रेलवे ने कंफर्म टिकट वालों के लिए ये सुविधा शुरू कर दी है, जिसका लाखों लोग फायदा भी ले चुके हैं। रेल यात्रियों को अगर कंफर्म टिकट के बाद भी यात्रा निरस्त कराने की जरूरत हो तो 45 घंटे पहले टिकट को सरेंडर करके आगे की तारीख का टिकट आरक्षित कराया जा सकता है। अब तक इस योजना के प्रचार का अभाव रहा, लेकिन रेल मंडल ने अब इसमें जागरुकता को लेकर काम शुरू कर दिया है। नियम के अनुसार, यात्री अपने कंफर्म टिकट पर यात्रा की तारीख बदल सकते हैं। इसके लिए यात्रा से करीब 48 घंटे पहले टिकट को रिजर्वेशन काउंटर पर सरेंडर करना होता है। इसके बाद नई तिथि का आरक्षण फॉर्म भरना होता है। यहां क्लास अपग्रेड करने का भी ऑप्शन मिलता है। बता दें कि देशभर में जून में 10 लाख से अधिक टिकट निरस्त हुए, लेकिन मात्र 1.25 लाख लोगों ने टिकट में तारीख का बदलाव किया है।

खास खबर इंदौर में 10 जुलाई को लाखों लाड़ली बहनें लेंगी शपथ...

सवा करोड़ खातों में डाली जाएगी योजना की दूसरी किश्त की राशि

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की पहल है। लाड़ली बहनें विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलवाने के लिए भी आगे आ रही हैं।

प्रदेश के जिलों में समाज के लिए कुछ करने के भाव से लाड़ली बहनों ने खुद पहल की है। राज्य शासन ने लाड़ली बहनों को सार्थक भूमिका के निर्वहन के लिए प्रशिक्षण भी दिया है। यह प्रशिक्षण समाजोपयोगी सिद्ध होगा। श्री चौहान सोमवार 10 जुलाई को इंदौर से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक बहनों के खाते में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। वे प्रदेश के सभी जिलों में मौजूद लाड़ली बहनों को वर्चुअली संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री 10 जुलाई को धार जिले में हो रहे लाड़ली बहना सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स इंदौर से राज्य स्तरीय एवं जिलों के कलेक्टरों से जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में गठित लाड़ली बहना सेना की सदस्यों को विशेष ट्रेनिंग मॉड्यूल का लाभ मिल रहा है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में यह प्रशिक्षण संपन्न हो चुका है। श्री चौहान ने सभी जिलों को यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। सभी लाड़ली बहनें प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभान्वित होंगी। प्रदेश में लाड़ली बहना सेना के गठन के बाद समस्त नाम पोर्टल पर दर्ज भी किए गए हैं। डीबीटी से संबंधित श्रेष्ठ कार्यों के लिए प्रदेश में आगर मालवा अव्वल स्थान पर है, जहां कुछ ही प्रकरणों में डीबीटी कार्य शेष है। श्री चौहान ने कलेक्टर आगर-मालवा और जन प्रतिनिधियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने समस्त जिलों में यह कार्य शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए हैं।

अद्भुत योजना है, कर्मकांड नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अद्भुत योजना है। यह कोई कर्मकांड नहीं है। लाड़ली बहना सेना की सदस्य महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनेंगी। जिन हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलना है उनके लिए लाड़ली बहना सेना की सदस्य नेतृत्वकारी भूमिका का निर्वहन करेंगी। नागरिकों को सजग बनाने, सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति और महिला अत्याचार के मामलों को नियंत्रित करने में भी लाड़ली बहना सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। श्री चौहान 10 जुलाई को इंदौर के सुपर कॉरिडोर ग्राउंड में मौजूद लगभग एक लाख बहनों के साथ ही पूरे प्रदेश में वर्चुअल रूप से जुड़ी लाखों लाड़ली बहनों को संबोधित करेंगे। कर्तव्य निर्वहन के लिए लाड़ली बहनों को शपथ दिलवाई जाएगी, जिससे वे दायित्व बोध के साथ अपने कार्य को व्यवस्थित रूप दे सकेंगी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए इंदौर में स्थानीय प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री को कलेक्टर्स द्वारा जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के प्रति काफी उत्साह का वातावरण है। कार्यक्रम की जोर-शोर से तैयारी की जा रही हैं। बहनों द्वारा मुख्यमंत्री को 101 फीट की विशाल राखी भेंट की जाएगी। स्वराज संस्थान के सहयोग से महिला स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी देने वाली चित्र प्रदर्शनी भी लगेगी। लाड़ली बहना सम्मेलन में विभिन्न गतिविधियां भी होंगी। इंदौर में जानकी बैंड की प्रस्तुति, भगोरिया लोक नृत्य, अन्य जनजातीय लोक नृत्य प्रदर्शित होंगे। इसके अलावा महिला स्व-सहायता समूह, महिला उद्यमियों और स्टार्टअप से जुड़ी बहनों की रचनात्मक गतिविधियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। चित्रकला और रंगोली की साज-सज्जा के साथ ही पिंक सायकिल रैली भी निकलेगी।